पाठ ४०

1. जब साउल परमेश्वरके आज्ञा उलंघन कइलक ओकराके बाद परमेश्वर इस्रेलके दोसर राजा बनके कउन आदमीके बिनलक ?
   - दाउद ।
2. साउल आ दाउद कइसन फरक रहे ?
   - साउल ओकुनी परमेश्वरसे अलग भइलके पापमे जनमरहे कहके विश्वास ना कइलक ।
   - लेकिन दाउदके ओकुनी परमेश्वरसे अलग भइलके पापमे जनमलरहे कहके विश्वास कइलक ।
   - साउल परमेश्वर सब पापके मृत्युके दण्ड दिहन कहके थाहा रहे ।
   - लेकिन दाउदके सब पापके दण्ड मृत्युह ह कहके थाहा रहे ।
3. जब दाउद दरबार बनावेलाके सकेला ओकराके बाद ऊ कथी करेके चाहलक ?
   - दाउद परमेश्वरके मन्दिर बनावेके चाहलक ।

4. परमेश्वरके मन्दिर बनावे वाला कउन रहेला ?
   - दाउदके बेटा सलमान ।

5. परमेश्वर दाउदसंगे करेवाला प्रतिज्ञा कथी रहे ?
   - दाउदके वंशसे उद्धारकर्ता भेजेला कहके प्रतिज्ञा कइलक ।

6. सुलेमान परमेश्वरके निमित्त बनावेला मन्दिर इस्रेलीसब मरुभूमिमे वहांके निमित्त बनावेला पालजइसन कइसन रहे ?
   - पालके पहिल खण्ड पवित्र स्थान कहेला ।
   - मन्दिरमे भि पहिल कमरा रहे आ ऊ जगाके नाम पवित्रस्थान रहे ।
   - पालके दोसर खण्डमे महापवित्रस्थान कहेला ।
   - मन्दिरमे भि दोसर कमरा रहे आ ऊ जगाके नाम महापवित्र स्थान रहे ।
   - परमेश्वरके पालमे यी दु कमराके अलग करेलाके पर्दा रखेला ।
   - मन्दिरमे भी यी दु कमराके अलग करेलाके पर्दा बनवेला ।

7. काहेकि परमेश्वर पवित्र बारन आ सब पापके घृणा करेला प्रधान पुजारि महापवित्र स्थानमे जा के कथी रकेला ?
   - करारके सन्दुकमे ऊ जनावरके खुन छिड्केला ।

- करारके सन्दुकमे पुजारी खुन छिड्केलाके बाद परमेश्वर कथी करेला ?
- परमेश्वर पापके निमित्त उत्तम मोल तइयार ना होवेला तक वहां दिएवाला दण्ड रोकके रखेला कहलक ।

8. काहे जनावरके खुन आदमीसबके पापके मोल तिरेके सक्षम नइखे ?
   - काहेकि पापीके पाके मोल ऊ मरेलाके बाद सिर्फ पूरा होवेला ।

9. सुलेमान राजा मरगेलाके बाद इस्रेलीसबके कथी भेल ?
   - इस्रेलीसब ओकुनीसबके अभिनके राजा कउन बनेला कहके बिनेके असमर्थ भेल ।
10. उत्तरके दश कुल कथी कहलाइल ?
    - इज्रेल ।
11. दक्षिणके दु कुल कथी कहलाइल ?
    - यहूदा ।

1. परमेश्वर काहे आदमीसबसंगे जहियो बोलतरनी ?
   - ताकि ओकुनीसब बाचेला ।

- परमेश्वर वहांके सन्देश आदमीसबके भि दिहन ताकि ओकुनीसब अउरो आदमीसबके सनावेला आ ओकुनीसब बांचेला ।
- परमेशवर वहांके सन्देश नूहके देलक आ नुह यी सन्देश आदमीसबे सुनाइलक ताकि ओकुनीसब बाँचेला ।
- परमेश्वर वहांके सन्देश मोसाके देलक आ मोसा यी सन्देश फिउरन आ अउरो मिश्रीसबके सुनाइलक ताकि ओकुनीसब बाचेला ।
- परमेश्वर वहांके सन्देश यहोसुके देलक आ यहोसु यी सन्देश इस्रेलीसबके सुनाइलक ताकि ओकुनीसब बाँचेला ।
- एगो दिन परमेश्वर योना नाम रहे एगो इस्रेलीके बुलाइलक ।
- परमेश्वर वहांके सन्देश योनाके देलक आ योनाके निनवे नाम रहेवाला अधर्मी आदमीसब बसोसबा करेला शहरमे वहांके सन्देश लेजाएके कहलक ।
- निनवे शहरमे रहेवाला आदमीसब अस्सुरियन कहलाइल ।

आवलजावो योना १:१ पद पढलजाइ ।

परमप्रभु अमित्तैके बेटा योनासंगे बात कइलक । परमप्रभु कहलन निनवे एगो बड्का शहर बा । वहाके आदमीसबके दुष्ट कामसब करतरनी हमनी सुनेला । वइसहे तु ऊ शहरमे

जावो आ वहांके आदमीसबके ऊ खराब कामसब छोडदेवो कहके कहो ।

योना परमेश्वरके बात ना मानलक । वइसहे योना परमप्रभुसे दूर एनउने भागेके कोसिस कइलक । वइसन ऊ यापोओरि गइलक । योना जहाजमे चढलक जउन तर्सिस जाएवाला रहे । योना अपन यात्राके निमित्त पैसा देलक आ जहाजमे चढलक । योनाके इच्छा रहे कि ऊ ऊ जाहाजमे अउरो आदमीसबसंगे तर्सिस जाइ आ परमप्रभुसे केने दूर भागलजाइ ।

2. योना काहे निनवे शहरमे जावो कहके परमेश्वर चाहत रनी ?
   - काहेकि परमेश्वर निनवेके आदमीसबके प्रेम करलक ।
   - काहेकि परमेश्वर निनवेके आदमीसबे बचावेके चाहतरनी ।

3. योना काहे भागलक ?
   - योना भागलक काहकि ऊ निनवे शहर जाएके नइखे चाही ।

4. योना काहे निनवे शहर जाएके नइखे चाही ?
   - काहेकि निनवेका आदमीसब बहुत दुष्ट रहे ।
   - काहेकि निनवेके आदमीसब इस्रेलीसबके शुत्रु रहे ।

- काहेकि योना परमेश्वर निनवेके आदमीसबके बचावे कहके नइखे चाही ।

5. का योना परमेश्वरसे भाग सकलक ?

आवलजावो योना १:३ ख -१० पद पढलजाइ ।

योना अपन यात्राके निमित्त पैसा देलक आ जहाजमे चढलक । योनाके इच्छा रहे कि ऊ ऊ जाहाजमे अउरो आदमीसबसंगे तर्सिस जाइ आ परमप्रभुसे केने दूर भागलजाइ ।

लेकिन परमप्रभु समुद्रमे भयानक तुफान उठादेल समुद्रमे आँधी आके जहाजके नाश करेलागल । आदमीसब चाहतनरी कि ऊ जहाजसे बचावेलाके निमित्त ओकर हलुका बनादेलक वइसहे जहाजके सब सामानसब समुद्रमे फ्यांकेलागद । माझीसब बहुत डरागेल हर आदमी अपन अपन देवतासबके प्रार्थना करेके लागल ।

योना जहाजके निचे जा के सोवेला । वइसने जहाजके कप्तानसब योनासंगे आके कहलक तु कथी करलरहे । उठलजाइ आ अपन परमेश्वरके पुकार करलजाइ सायद तुमपनू परमेश्वर तोहर प्रार्थना सुनेला आ हमनी नष्ट ना होवेला ।

आ ओकुनीसब आपसमे कहे लागल कउनके कारणसे हमनीके उपर ए विपद आएके लागल चिठ्ठा बिनके दखलक ।

अइसन कहके ओकुनिसब चिठ्ठा बनाके देखलक त योनाके नाममे परलक । आदमीसब योनासे पुछलक तोहर कारण ए बड्का आपाद हमनीके उपर आइल । वइसने हमनी कथी कइलक ? तोहर काम कथी ह ? तु कहासे अइले बानी ? तोहर देश कउन बा ? तु कउन जातिके बा ?

आ योना आदमीसबके कहलक हम हिब्रू बा । स्वर्गके परमप्रभु परमेश्वरके आराधना करेला ।

वहां परमेश्वर बारन जउन समुद्र आ पृथ्वीके सृष्टि कैलक । आदमीसब थाहा पाइलक कि ऊ परमप्रभुसे टाढा भागतरनी । तब ओकुनीसब बहुत डरागेल । आ आदमीसब योनासे पुछलक तुमनी अपन परमेश्वरके विरुद्धमे काहे ना निमन काम करलक ?

6. का योना परमेश्वरसे भाग सकलक ?
   - ना ।
7. का योना परमेश्वरसे लुके सकलक ?
   - ना ।
8. का योना परमेश्वरसे उम्के सकलक ?

- ना ।
- कउनो भी परमेश्वरसे उम्के के ना सकलक ।
- शैतान आ हुनकर सहयोगीसब समेत परमेश्वरसे उम्के ना सकलक ।

आवलजावो योना १:११-१७ पद पढलजाइ ।

होने आंधी तूफान आ समुद्रके छाल अउरो ज्यादा बडतरनी । वइसने योनाके आदमीसब कहलक हमनी अपन सुरक्षाके निमित्त कथी करेके परी । समुद्रके शान्त करेलाके निमित्त हमनी तोहराके संगे कथी करेके परी ?

योना आदमीसबसे कहलक हम जानथ कि हमनीके कारण से ही समुद्रमे तुफान आइलक वइसने तुमनीसब हमनीके समुद्रमे फ्यांकेके परी आ समुद्र शान्त होवेला ।

लेकिन आदमीसब योनाके समुद्रमे फ्यांकेके नइखे चाहतरनी । ओकुनीसब जहाजके किनारामे ल्याइलाके बहुत कोसिस कइलक लकेनि ऊ होवेके ना सकेला । तुफान अउरो ज्यादा बढगेल ।

वइसहे आदमीसब परमप्रभुके बिन्ती कइलक के परमप्रभु यी आदमीके ज्यानके बदलेमे हमनी नष्ट होवके ना परी

आ हमनी निर्दोषके उपर हत्याके दोष ना दिहन काहकि हे प्रभु अपनेके जइसन इच्छा रहत रनी अपने ऊ करेला ।

तब ओकुनीसब योनाके उचालके समुद्रमे फेकदेल आ समुद्र शान्त भेगेल । तब ऊ आदमीसब परमप्रभुके बहुत डर माने लागल आ परमप्रभुके निमित्त भाकल कइलक आ बलिदान चढाइलक ।

आ योनाके खाएके निमित्त एगो बहुत बड्का मछलीमे परमप्रभु आज्ञा देलक आ तीन दिन आ तीन रात योना ऊ मछलकीके पेटमे रहलक ।

9. जब योजना परमेश्वर कहेवाला निनवे शहर ना गइलक त परमेश्वर कथी कइलक ?
   - परमेश्वर योनाके निगलके निमित्त एकगो बड्का मछली भेजदेलक ।

- योना बड्का मछलीके पेटमे कइगो दिनतक रहल ?
   - तीन दिन आ तीन रात तक ।

10. का योना मछलीके पेटमे ना जाएके अपनके बचावेला सक्षम रहे ?
   - ना ।

11. योनाके मछलीके पेट भितर कउनो सिर्फ बचाएके सकेवाला रहे ?

- परमेश्वर ।

12. कइस अउरो आदमीसब योना जइसन रहे ?

- योना मछलीके पेटके भितर अपनके बचावेला ना सकिहन जइसन अउरो आदमीसब भी अपने आपके पाप मृत्यु आ शैतानसे बचावेला के ना सकिहन ।

13. बड्का मछलीके पेटमे योना कथी कइलक ?

आवलजावो योना २:१ पद पढलजाइ ।

योना मछलीके पेटके भितरसे परमप्रभु अपन परमेश्वरके प्रस्थाना कइलक ।

- योना अपन परमेश्वरके आज्ञा उलंघन करेवाला बात परमेश्वरके सामु स्वीकार कइलक ।
- योना अपन परमेश्वरके विरुद्ध पाप करेवाला बात परमेश्वरके सामु स्वीकार कइलक ।
- योना अपनके बचादेलक कहके परमश्वरक पुकार कइलक ।

आवलजावो योना २:१० पद पढलजाइ ।

योजना परमप्रभु मछलीके आज्ञा देलक आ ऊ मछली योनाके समुद्रके किनारमे फेकदेलक ।

14. योना परमेश्वरके आज्ञा ना मानके वहांके विरुद्धमे पाप करेला कहके स्वीकार करेलाके बाद परमेश्वर कथी कइलक ?

- परमेश्वर मछलीके पेटसे योनाके सुखा भूमिमे फेकदेलक ।

15. परमेश्वर योनाके काहे बचाइनी ?

- काहकि योना परमेश्वरके आज्ञा उल्घंन करेवाला बात स्वीकार कइलक ।
- काहेकि योना अपन परमेश्वरके विरुद्धमे पाप करेवाला बात स्वीकार कइलक ।

16. परमेश्वर योनाके बचावेलाके बाद कथी वहां योनाके अब ऊ निनवे जाएके नइखे परी कहलक ?

- ना ।

आवलजावो योना ३:१-२ पढलजाइ ।

परमेश्वर योनाके फेनु कहलक तु निनवे बड्का शहरमे जावो आ हम जउन बात बताइहन ऊ प्रचार करो ।

- परमेश्वर बदेलेवाला ना रहे ।
- परमेश्वर कहियो ना बदलेवाला रहे ।
- परमेश्वर अभिन भी योना वहांके सन्देश निनवेके जनताके भेजो कहके चाहतरनी ।
- परमेश्वर अभिन भि निनवेके आदमीसब बांचो कहके चाहतरनी ।

17. यी बार का योना परमेश्वरके आज्ञा मानलक आ निनवे गइलक ?

आवलजावो योना ३:३-५ र १० पद पढलजाइ ।

योना उठलक आ परमप्रभुके आज्ञा पालन कइके निनवे गइलक । निनवे बहुत बडा शहर रहे ऊ पार करेके तीन दिन लागतरनी ।

योना शहरके मध्य भागमे गइल आ आदमीसबे प्रचार करेके सुरू कइलक । योना कहलक ४० दिन बाद निनवे शहर नाश हवेवाला रहे ।

परमेश्वरसे वइसन सन्देश मिलेलाके बाद निनवेके आदमीसब परमेश्वरमे विश्वास कइलक । आ ओकुनीसब उपवास करलक आ ओकुनीसब करेवाला पापसबमे पश्चाताप कइलक । आदमीसब दुख व्यक्त करेके निमित्त विशेष प्रकारके वस्तसब

लगाइलक । शहरके सब छोट्का बढ्कासब अइसन करे लागल ।

आदमीसब जउन बात करतरनी ऊ परमेश्वर देखलक । कइसन ओकुनीसब अपन कुकर्मसे वापिस आइल । वइसने परमेश्वर अपन इच्छा बदलदेलक आ ओकुनीसब के उपर जउन बिपत्ति ल्याएके सोचलक ऊ ना कइलक । परमेश्वर आदमीसबके दण्ड ना देलक ।

- यी बार चाहिं योना परमेश्वरके आज्ञा मानके निनवे गइल ।
- यी बार चाहिं योना परमेश्वरके सन्देश निनवेवासीकहां लिअल ।
- योना निनवेका आदमीसबके पापके रास्ता भुलके परमेश्वरओरि वापिस आएके आह्वान कइलक ।

18. का निनवेके निवासीसब योनाके ओकुनिसबके सुनाएला परमेश्वरके सन्देशमे विश्वास कइलक ?

- हां ।
- परमेश्वर अपने भि निनवेके आदमीसब जइसन ह कहके चाहतरनी ।
- परमेश्वर अपने भि निनवेके आदमी जइसन परमेश्वरके सन्देस सुने कहके चाहतरनी ।

- परमेश्वर अपने भि निनवेके आदमी जइसन परमेश्वरके सन्देसमे विश्वास करो कहके चाहतरनी ।
- परमेश्वर अपने पापके रास्ता छोडके परमेश्वरके रास्ता अपनावल कहके चाहत रनी ।
- परमेश्वर अउरो ज्यादा आदमीसबे वहांके सन्देशवाहक बनके आदमीसबके वहांके सन्देश सुनावेलाके बिनेनी ।

19. परमेश्वर वहांके सन्देश अउरो आदमीसबके सुनावेलाके बिनेवाला ऊ सन्देशवाहकके नाम कथी रहे ?
- अगवक्ता ।
- परमेश्वर ऊ अगमवक्तासब मे से कुछके दश कुलके इस्रेलमे पठाइलक ।
- परमेश्वर ऊ अगमवक्तासब मे से कुछके दु कुलके इस्रेलमे पठाइलक ।

20. अगमवक्ता सब आदमीसबके कथी कहलक ?
- पापके रास्ता छोडके परमेश्वरके रास्ता अपनावो कहलक ।
- अगमवक्तासब आदमीसबके यी भि कहलक कि परमेश्वर ओकुनीसबके बनाएवाला मूर्तिसब फेंकेके चाही ।
- ऊ मे से परमेश्वरके एगो अगमवक्ताके नाम यशैया रहे ।
- यशैया अगमवक्ता इस्रेलके दश कुलुसे आएवाला रहे ।

- इहां परमेश्वर अगमवक्ता यसैया मार्फत इस्रेलके दश कुलके कथी कहलक कहेवाला बात लिखेला ।

आवलजावो यशैया १०:६ पद पढलजाइ ।

हमनी ऊ दुष्ट काम करेवालाके विरुद्ध लडाइं करेके अस्सुरके भेजेवाला रहे । हमनी ऊ आदमीसबके उपर ना निमन रहे आ हम अस्सुरके ओकुनीसबके विरुध्द लडाइँ करेके आज्ञा दिएवाला रहे । अस्सुर ओकुनीसबके पराजित करेला आ ओकुनीसबके धन्सम्तपति खोसके लिएवाला रहे । अस्सुरके निमित्त इस्रेल कुच्चीमिल्ची करेवाला जगा बनेला ।

21. अगर ओकुनीसब पापके रास्ता त्यागके परमेश्वरके रास्तामे वापस ना आएला त इस्रेलके दश कुलके उपर कथी होवेवाला रहे ?
- परमेश्वरके अस्सुरियनसबके इस्रेलके दश कुलके मारेके भेजेवाला रहे आ इस्रेलीसबके पापके दास बनावेला रहे ।
- परमेश्वर दोसर अगमवक्ताके नाम यर्मिया रहे ।
- परमेश्वरके अगमवक्ता यर्मिया यहूदा दु कुलमे भेजल ।

- परमेश्वर यर्मिया अगमवक्तामार्फत यहूदाके दु कुलके केहेवाला बात यहां लिखेला ।

आवलजावो यर्मिया २०:५ पद पढलजाइ ।

शहरके सम्पत्तिसब नाफा सब बहुमूल्य वस्तुसब आ यहूदाके राजासबके सम्पत्तिसब ओकुनीसबके शत्रुके दिउवाला रहे । शत्रुसब यी सब सम्पत्तिसब बाबेलके राजधानी लिएवाला रहे ।

22. अगर ओकुनीसब पापके रास्ता छोडके परमेश्वरके ओरि ना वापस होवेला त यहूदाके दु कुलके उपर कथी होवेवाल रहे ?

- परमेश्वर बेबिलोनियसबके इस्रेलके कुलके लडाइं करेके भेजेवाला रहे आ इस्रेलीसबके ओकुनीसब दास बनाएवाला रहे ।
- परमेश्वर परिवर्तन होएवाला नइखे ।
- परमेश्वर अभिन भि सब आदमिसब पापके रास्ता छोडके परमेश्वरके रास्ता अपनावो कहके चाहत रनी ।
- जउन पापके रास्ता छोडके परमेश्वरके ओरि ना वापस आइल ओकुनिसबके परमेश्वर आत्मिक मृत्युके दहके सजाय दिहल ।